ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol-4* Issue-6* July- 2019
Innovation The Research Concept

सामाजिक विज्ञान शोध में नैतिकता की भूमिका

नितिन पाण्डेय
छात्र,
शिक्षा संकाय,
अभिनव सेवा संस्थान
महाविद्यालय,
कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

सामाजिक विज्ञान शोध में शोधकर्ता जीवित प्राणी का प्रयोग करता है इस कारण शोधकर्ता को शोध क्रिया के दौरान अनेक तरह की कुछ नैतिक भूमिकाये निर्वाहित करनी होती है। शोधनीति शास्त्र एक मानकों एवं मूल्यों से बनी एक कसौटी है जिसका शोध प्रक्रिया के दौरान अनुपालन करना होता है।

मुख्य शब्द : शोध ज्ञान, नैतिक भूमिकायें, शोध नैतिकता, वैज्ञानिक शोध प्रक्रिया, मौलिकताए, खुलापन, विश्वसनीयता,सह लेखक, साहित्यिक चोरी, वैज्ञानिक अखंडता, प्रदत्त साझा, सांस्कृतिक मान्यता ।

प्रस्तावना

शोध नैतिकता में आने वाले महत्वपूर्ण कारकों को निम्नलिखित वर्गों में बांटा जा सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य

सामाजिक विज्ञान शोध में नैतिक मुद्दों का सम्बन्ध इस प्रश्न से है कि सामाजिक विज्ञान शोध करते समय शोधकर्ता के लिए क्या उचित है अथवा ऐसी कौन–सी बातें हैं जिनसे उसे बचने की आवश्यकता है।

आंतरिक कारकों से संबंधित मानदंड

1. शोध ज्ञान एक निश्चित वैज्ञानिक प्रक्रिया के द्वारा ही निर्मित होना चाहिए अर्थात यदि प्रयोगात्मक शोध है तो प्रयोगात्मक शोध की क्रियाविधि और यदि ऐतिहासिक शोध हेतु ऐतिहासिक शोध की क्रियाविधि अपनानी चाहिए।
2. शोध ज्ञान पूर्णतया मौलिक होना चाहिए अर्थात परिकल्पना परीक्षण के जो भी परिणाम प्राप्त हुए हैं उन्हें यथावत रखना चाहिए।
3. चूँकि शोध, ज्ञान के वृद्धि की सतत प्रक्रिया है इस कारण शोध में उन बिंदुओं को भी रेखांकित करना चाहिए जिन बिंदुओं पर भावी शोधकर्ता कार्य कर सके अर्थात ज्ञान में एक अधूरापन अवश्य होना चाहिए।
4. प्रत्येक शोध ज्ञान को अपने पूर्व ज्ञान से मुक्त होना चाहिए अर्थात शोध पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।
5. शोधज्ञान विश्वसनीय होना चाहिए अर्थात शोध जनसंख्या के किसी भी भाग में यदि उस ज्ञान को जांचा जाये तो वह उस जगह सत्यापित होना चाहिए।

बाह्य कारकों से संबंधित मानदंड

1. एक शोध को पूर्ण करने में अनेक सह लेखक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है इसलिए शोधकर्ता को उन सभी सह लेखकों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए जिन्होंने उसे शोध को पूर्ण करने में योगदान दिया है ।
2. चूँकि शोध प्रतिवेदन को पूर्ण करने में शोधकर्ता अनेक विशेषज्ञों व मनोवैज्ञानिकों के कथन और ज्ञान के साथ ही साथ विभिन्न स्रोतो के ज्ञान का प्रयोग करता है इसलिए शोध प्रतिवेदन में ये सभी विवरण देने का एक यूनिफार्म तरीका होता है अतः शोधकर्ता को उस यूनिफार्म पैटर्न को अपनाना चाहिए ।
3. साहित्यिक चोरी से तात्पर्य किसी दूसरे व्यक्ति की बौद्धिक संपदा पर अपना अधिकार दिखाने से है अर्थात शोधकर्ता जब दूसरे शोधकर्ता के ज्ञान को अपना ज्ञान बताता है इसलिए शोध में साहित्यिक चोरी की उपस्थिति कम होनी चाहिए ।

4. चूँकि शोध को पूर्ण करने में शोधकर्ता, शोध संस्थान व अनुसंधान वित्त पोषण संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है एक अच्छे शोध के लिए इन तीनों के मध्य एकरूपता का होना है अर्थात बिना किसी रूकावट के कार्यों का निर्वहन होना चाहिए। अतः जिनको जो कार्य है उन्हें उनके कार्य पूरी तरह से निर्वाचित करनी चाहिए ।
5. शोध को पूर्ण करने के लिए जो भी आंकड़े प्राप्त होते हैं शोधकर्ता उससे सारी सूचनाएं प्राप्त नहीं कर पाता इसलिए किसी भी शोध के आंकड़ों को सुरक्षित रखना चाहिए ताकि दूसरा शोधकर्ता उन आंकड़ों को द्वितीयक स्रोत के रूप में इस्तेमाल कर सके।
6. किसी भी शोध को पूर्ण करने में शोधकर्ता व सुपर वाइजर का संबंध एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है दोनों के संबंधों को लेकर एनईएसएच ने स्पष्ट गाइड लाइन बनाई है ।
7. शोधकार्य के दौरान सभी संबंधित पक्षों के द्वारा शोध कार्य की शोध संस्कृति का पालन करना चाहिए साथ ही शोधकर्ता व शोध केंद्रों के संरक्षण हेतु व उनकी उन्नति हेतु कार्य करने चाहिए।

नमूना इकाइयों से संबंधित मानदंड

1. चूँकि सामाजिक विज्ञान के शोध विभिन्न प्रकार के सामाजिक वर्गों पर किये जाते है तथा हर सामाजिक वर्ग की एक मानव गरिमा या सामाजिक प्रतिष्ठा होती है. शोधकार्य के दौरान शोध से जुड़े सभी व्यक्तियों को संबंधित वर्ग की इस पहचान के प्रति सम्मान रखना चाहिए ।
2. शोध में बहुत सी शोध इकाइयां अपने विचारों को प्रदत रूप में उपलब्ध कराते हैं जिसकी वास्तविक पहचान शोधकर्ता के पास होती है शोधकर्ता को उन सभी व्यक्तियों के नाम परिवर्तित करके शोध में रखने चाहिए तथा कभी भी किसी भी व्यक्ति की निजी पहचान सार्वजनिक नहीं रखनी चाहिए ।
3. शोध कार्य के दौरान शोधकर्ता प्रयोज्य से जो भी सूचनाएं प्राप्त करता है वह सूचना तब तक गोपनीय रखी जानी चाहिए जब तक शोध कार्य समाप्त ना हो जाए ।
4. कभी कभी शोधकर्ता अपने प्रयोज्य की गहराइयों से संबंधित सूचना हेतु पर उसके माता–पिता, रिश्तेदार, शिक्षक, मित्रों से भी शोध से संबंधित अंतः क्रिया करता है शोधकर्ता को ऐसे सभी पक्षों के प्रति भी उचित सम्मान रखना चाहिए ।
5. शोध में जो भी प्रयोज्य भाग लेता है उसमें से प्रत्येक सदस्य का अपना एक सामाजिक परिवेश होता है जिसमें उसके अपने सामाजिक मूल्य व संस्कृति होती है शोधकर्ता को प्रयोग के प्रति पूर्ण सम्मान देना चाहिए और उनके मूल्यों के संदर्भ में कोई भी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए ।
6. कभी–कभी सामाजिक विज्ञान के शोध दिवगंत व्यक्तियों पर भी होते हैं उस परिस्थिति में ऐसे सभी व्यक्तियों के प्रति शोधकर्ता को सम्मान व्यक्त करने चाहिए और ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे उनकी प्रतिष्ठा को क्षति या नकारात्मक प्रभाव पड़े ।
7. कभी–कभी शोध कार्य के दौरान शोधकर्ता को प्रयोज्य के साथ कुछ विशिष्ट व्यवहार करने पड़ सकते हैं ऐसी परिस्थितियों में शोधकर्ता को वह सभी सुरक्षात्मक उपाय करने चाहिए जो प्रयोज्य को शारीरिक क्षति से बचाएं ।

निष्कर्ष

शोध एक इमानदारी से किया गया कार्य है. इसमें गहन अध्ययन किया जाता है तथा विवेक एवं समझदारी से काम लिया जाता है.चूँकि शोधकार्य एक लंबी प्रक्रिया है अतः इसमें धैर्य की परम आवश्यकता होती है अतः इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अनावश्यक जल्दी नहीं करनी चाहिए अपितु समस्या के संदर्भ में तथ्यों की व्यापक खोज की जानी चाहिए ना की जोड़–तोड़ उठापटक करके शोध कार्य पूरा नहीं करना चाहिए क्योंकि शोध कार्य से भविष्य में संदर्भ लेकर अन्य शोधार्थी शोध करते हैं . अनुसंधान के निष्कर्षों की पुष्टि प्रमाणों के द्वारा की जानी चाहिए और किसी भी अविवेकपूर्ण और गलत तरीके से इस कार्य को संवाद संपादित नहीं करना चाहिए तभी अनुसंधान के उद्देश्य सही रूप में पूरे होते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

सिंह अरुण कुमार (2014) मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोती लाल नेहरू बनारसीदास ,बांग्लारोड ,दिल्ली ,प्रकाशित

Koul, Lokesh (1988), Methodology of Educational Research, Vikas, New Delhi.

Wray-Bliss, Edward. Ethics in Research. , 2013. Internet resource.

R.A.Sharma ;Fundamentals of Educational Research:Meerut ,Loyal Book Depot,2003.

R.P.Bhatnagar (Ed.) Readings in Methodology of research in Education ;Meerut , R Lall Book Depot,2002.

Love, Kevin. Ethics in Social Research. Bingley: Emerald, 2012. Print.

Paoletti, Isabella. Practices of Ethics: An Empirical Approach to Ethics in Social Sciences Research. Newcastle upon Tyne: Cambridge Scholar Press, 2013. Print.